प्रो. पंजाब सिंह का जीवन परिचय

प्रो. पंजाब सिंह का जन्म गांव अनंतपुर जिला मिर्जापुर में हुआ। प्रो. सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी से शुरू की और आगरा विश्वविद्यालय से प्रथम स्थान प्राप्त करने के गौरव के साथ 1964 में प्रथम श्रेणी में कृषि में एम.एस.सी. की। पी.एच.डी. (जल प्रबंधन) 1969 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), खड़गपुर से कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस, यू.एस.ए. के सहयोग से की।

प्रो. सिंह ने सहायक प्रोफेसर के रूप में अपना कैरियर शुरू किया और सचिव, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (DARE), भारत सरकार और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के पद तक पहुंचे। उन्होंने एग्रोनॉमिस्ट; प्रभाग प्रमुख, सहायक महानिदेशक, भा.अ.नु.प.; निदेशक, भारतीय घास का मैदान और चारा अनुसंधान संस्थान (आई.जी.एफ.आर.आई.), झांसी; प्रमुख भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आई.ए.आर.आई.) के संयुक्त निदेशक और निदेशक/कुलपति, पूसा संस्थान; कुलपति, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर; कुलपति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी जैसे कई जिम्मेदार पदों पर कार्य किया। प्रो. सिंह ने बैंकॉक (थाईलैंड) में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) में क्षेत्रीय पादप उत्पादन और संरक्षण अधिकारी के रूप में भी कार्य किया।

प्रो. सिंह को पांच वैज्ञानिक समितियों जैसे राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एन.ए.ए.एस.), इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी (आई.एस.ए), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोलॉजी (एन. आई.ई), बायोवेद रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (बीआरएसआई) और सोसाइटी फॉर एक्सटेंशन एजुकेशन का फेलो चुना गया। प्रो. सिंह पांच वैज्ञानिक सोसायटियों के अध्यक्ष (इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, रेंज मैनेजमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल स्टैटिस्टिक्स, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, इंडियन सोसाइटी ऑफ इंडिया प्लांट फिजियोलॉजी) एवं पांच सोसायटी/संघों के उपाध्यक्ष (इंडियन सोसाइटी ऑफ फोरेज रिसर्च, सोसाइटी ऑफ बायो–साइंसेज, इंडियन एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन (IAUA), नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज) रहे हैं। प्रो. सिंह विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समितियों के अध्यक्ष/सदस्य होने के अलावा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर निकाय, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, प्रबंधन बोर्ड, सलाहकार बोर्ड के सदस्य भी रहे हैं। उसमें से कुछ उल्लेखनीय हैं जैसे अध्यक्ष, आई.सी.ए.आर. शासी निकाय; उपाध्यक्ष, आई.सी.आर.आई.एस. एटी गवर्निंग बोर्ड; सदस्य, नीति सलाहकार बोर्ड, एसीआईएआर, ऑस्ट्रेलिया; अंतर्राष्ट्रीय रंगभूमि और अंतर्राष्ट्रीय ग्रासलैंड कांग्रेस की सतत समितियां; सदस्य, ग्लासलैंड्स एंड हर्बेज एब्सट्रैक्ट्स का संपादकीय बोर्ड, सीएबी इंटरनेशनल, यू.के.; जापानी सोसायटी ऑफ ग्रासलैंड साइंस, जापान; यूरोपीय संघ परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञ सदस्य; सदस्य, 1992 रोमन मेगासे से पुरस्कार के लिए विशेषज्ञ पैनल, फिलीपींस, सदस्य, अध्यक्ष के लिए खोज समिति, यूजीसी, सदस्य, राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थानों की परिषद (एनसीआरआई), हैदराबाद के अध्यक्ष के चयन के लिए खोज समिति (एमएचआरडी द्वारा गठित), सदस्य, कोर्ट और भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर की परिषद, सदस्य, न्यायालय, जेएनयू, नई दिल्ली, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और सदस्य, शासी निकाय, भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला; सदस्य, कार्यकारी परिषद, मणिपुर और नागालैंड विश्वविद्यालय; सदस्य, महासभा, आईसीसीआर, नई दिल्ली; सदस्य, कार्यकारी परिषद, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस)। वे ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007–2012), योजना आयोग, भारत सरकार, अध्यक्ष, निगरानी समिति के लिए कृषि–जलवायु क्षेत्रीय योजना पर कार्यकारी समूह और पर्यावरण और वन क्षेत्र के लिए घास के मैदानों और रेगिस्तानों पर कार्य दल के अध्यक्ष भी हैं।

प्रो. सिंह को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर (TN), V-B-S पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (यूपी) और नरेंद्र देव कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फैजाबाद सहित आठ विश्वविद्यालयों द्वारा डी.एस.सी. (ऑनरस कौसा) से भी समानित किया गया है। प्रो. सिंह ने राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय अनुसंधान संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों को आकार देने में नेतृत्व प्रदान करने के अलावा जल प्रबंधन और फसल उत्पादन और प्रबंधन प्रणालियों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक योगदान दिया है। उन्होंने कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जैसे, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद पुरस्कार, भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा मिलेनियम प्लाक ऑफ ऑनर, विश्व खाद्य दिवस पुरस्कार, के.एन. बहल मेमोरियल गोल्ड मेडल, आईएसए गोल्ड मेडल, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी आदि का लाइव टाइम अचीवमेंट सम्मान से समान्नित किया गया है। प्रो. सिंह के पास 350 से अधिक शोध पत्र/लेख हैं और उन्होंने एक दर्जन से अधिक पी.एच.डी. और एम.फिल का मार्गदर्शन किया है। प्रो पंजाब सिंह वर्तमान में रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के कुलाधिपति हैं। रासा परिवार भगवान से प्रार्थना करता है कि वे हमेशा स्वस्थ एवं खुश रहें।